



Paper Code

PK-202

Roll No.

Signature of Invigilator

पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali

Examination May – 2018

P.G. Diploma in Panchkarma, (Semester : Second)

Panchkarma

Nasya Karma

Time: 3 Hours

Max. Marks: 75

Note: This paper is of seventy five (75) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. (3×15=45)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. नस्यकर्म का परिचय एवं महत्त्व लिखते हुए नस्य-भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
Explaining introduction & importance of Nasya Karma, write down the detailed classification of Nasya.
2. नस्य कर्म में प्रयुक्त औषध द्रव्य तथा मात्रा का वर्णन करते हुए नस्य कर्म विधि का वर्णन कीजिए।
Explain in detail the drugs used in Nasya Karma, dosage of nasya & process of Nasya Karma.
3. धूमपान का परिचय एवं महत्त्व बताते हुए धूमपान विधि का विस्तृत वर्णन कीजिए।
Give in detail introduction & importance of Dhumpana and its method of use.
4. धूमपान के अयोग, अतियोग तथा हीनयोग के लक्षण तथा उनके प्रतिकार का वर्णन कीजिए।
What are the symptoms of Ayoga, Atiyoga and Hinayoga of Dhumpan and describe the methods to treat them.
5. कवल एवं गण्डूष की परिभाषा, इसके भेद एवं महत्त्व का वर्णन कीजिए।
Define Kawal and Gandusha with its types and their importance.

Section - B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **four** (04) questions. (4×5=20)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. धूमपान की कार्मुकता का संक्षेप में वर्णन करें।
Write in short the mode of Action of Dhumpana.
2. कवल तथा गण्डूष साध्य विकार लिखिए।
Write the diseases where we can use Kawal and Gandusha.
3. नस्य कर्म के योग्य तथा अयोग्य लिखिए।
Write about Yogya and Ayogya of Nasya Karma.
4. नस्य कर्म की कार्मुकता का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
Write in short about the mode of action of Nasya Karma.

5. धूमपान के प्रकार को संक्षेप में लिखें।

Write the types of Dhumpana in brief.

6. धूमपान के योग्य तथा अयोग्य लिखिए।

Write the Yogya and Ayogya of Dhumpana.

Section - C / खण्ड-ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note: Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of one (01) mark each. All the questions of this section are compulsory. (10×01=10)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. "हृत्कण्ठेन्द्रियसंशुद्धि लघुत्वं शिरसः" लक्षण है
(अ) सम्यक् वमन का (ब) सम्यक् नस्य का
(स) सम्यक् धूमपान का (द) सभी का
"Hritkanthendriysamsudhi laghutvam Shirsah" is the symptom of
(A) Samyak vaman (B) Samyak nasya
(C) Samyak dhoompan (D) All
2. वैरेचनिक धूम का प्रयोग करते हैं
(अ) 1-2 बार (ब) 2-3 बार
(स) 3 या 4 बार (द) बार-बार
Vairechnik dhoompan is used for
(A) 1-2 times (B) 2-3 times
(C) 3 or 4 times (D) Repeatedly
3. धूमवर्ति की लम्बाई है
(अ) 8 अंगुल (ब) 10 अंगुल
(स) 12 अंगुल (द) 14 अंगुल
Length of dhoomvarti is
(A) 8 angul (B) 10 angul
(C) 12 angul (D) 14 angul
4. नस्य के पश्चातकर्म में हैं
(अ) धूमपान (ब) कवलग्रह
(स) अ एवं ब दोनों (द) तर्पण
Which of the following is paschatkarma of Nasya
(A) Dhoompan (B) Kavalgraha
(C) Both A and B (D) Tarpana
5. कवल के प्रकार हैं
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
Types of kaval is
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5
6. प्रायोगिक धूमनेत्र का प्रमाण है
(अ) 32 अंगुल (ब) 34 अंगुल
(स) 36 अंगुल (द) 38 अंगुल
Which of the following is pramana of prayogik dhoomnetra
(A) 32 angul (B) 34 angul
(C) 36 angul (D) 38 angul
7. प्रतिमर्श नस्य के काल हैं
(अ) 12 (ब) 13
(स) 14 (द) 16

Kala of pratimarsh nasya is

- (A) 12 (B) 13
(C) 14 (D) 16

8. आचार्य चरक के अनुसार, नस्य के भेद हैं

- (अ) 3 (ब) 4
(स) 5 (द) 6

According to Acharya Charaka, types of nasya is

- (A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6

9. गण्डूष सेवन योग्य आयु है

- (अ) 5 वर्ष की अवस्था से (ब) 8 वर्ष की अवस्था से
(स) 10 वर्ष की अवस्था से (द) 15 वर्ष की अवस्था से

Which of the following is the age of gandoosh sevan yogya.....

- (A) From the age of 5 years (B) From the age of 8 years
(C) From the age of 10 years (D) From the age of 15 years

10. नस्य कर्म में प्रयुक्त द्रव्य है

- (अ) पिप्पली (ब) मरिच
(स) विडंग (द) सभी

Which of the following is used for nasya karma.....

- (A) Pippali (B) Marich
(C) Vidang (D) All

-----X-----